Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३१ अंक-७-८ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ अप्रैल- ३० अप्रैल २०२३ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्यः२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

टीबी जैसी बीमारी से लड़ाई में काशी वैश्विक संकल्पों की दिशा में नई ऊर्जा का करेगी संचार -पीएम मोदी

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वन वर्ल्ड टीबी शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। दिनांकः २४.०३.२०२३ को उन्होंने लघु टीबी निवारक उपचार (टीपीटी), टीबी-मुक्त पंचायत की आधिकारिक अखिल भारतीय शुरुआत, टीबी के लिए परिवार पर केन्द्रित देखभाल मॉडल और भारत की वार्षिक टीबी रिपोर्ट २०२३ जारी करने सहित विभिन्न पहलों की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने वाराणसी में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और उच्च रोकथाम प्रयोगशाला केन्द्र की आधारशिला रखी तथा महानगर सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी इकाई के स्थान का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने टीबी को समाप्त करने की दिशा में कुछ चुनिंदा राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों और जिलों की प्रगति के लिए उन्हें सम्मानित भी किया। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले राज्यों में कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर तथा जिला स्तर पर नीलगिरी, पुलवामा और अनंतनाग जिले थे। स्टॉप टीबी की कार्यकारी निदेशक, डॉ. लुसिका दितीयू ने टिप्पणी की कि शिखर सम्मेलन दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक वाराणसी में हो रहा है, जिसमें दुनिया में एक हजार साल पुरानी बीमारी यानी तपेदिक या टीबी पर चर्चा की जा रही है। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडविया, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और स्टॉप टीबी की कार्यकारी निदेशक डॉ लुसिका दितीयू भी उपस्थित थे।

योगी सरकार युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन देने की तैयारी में

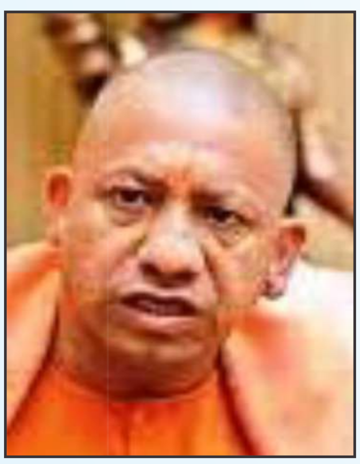

रे.स.ब्यू./सूत्रःलखनऊ। विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत योगी सरकार ने १० लाख टैबलेट और २५ लाख स्मार्टफोन खरीदने से संबंधित निविदा प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जिससे वित्त वर्ष २०२२-२३ के अंतर्गत ३५ लाख युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन देने का रास्ता साफ हो गया है। २०२२-२३ के लक्ष्य के लिए बजट में ३६०० करोड़ की व्यवस्था की गई है। योजना के तहत शिक्षण संस्थाओं को अपने विद्यार्थियों का विवरण डीजी शक्ति पोर्टल पर अपलोड करना है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि योजना के तहत पांच वर्ष में दो करोड़ युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन देने का लक्ष्य है। अब तक ६० लाख युवाओं का डाटा अपलोड किया गया है। नोडल संस्था यूपी डेस्को ने २० लाख स्मार्टफोन-टैबलेट की खरीद की थी। इनमें से २०२१ से अब तक १६ लाख का वितरण किया जा चुका है।

वंदे भारत रेलगाड़ी भारत की उमंग और तरंग का प्रतीक-पीएम मोदी

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश में भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल और नई दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद रानी कमलापति-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का निरीक्षण किया और ट्रेन के चालक दल तथा वहां पर उपस्थित बच्चों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के निवासियों को उनकी पहली वंदे भारत रेलगाड़ी मिलने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह रेलगाड़ी दिल्ली से भोपाल के बीच यात्रा में लगने वाले समय को कम करेगी और व्यवसायियों तथा युवाओं के लिए कई सुविधाएं एवं सहूलियतें प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने इस तथ्य को दोहराया कि वह स्वयं को सौभाग्यशाली समझते हैं क्योंकि उन्होंने ही आज के आयोजन स्थल अर्थात रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली के लिए भारत की अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाने का अवसर प्राप्त होने पर भी आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अवसर आधुनिक भारत के लिए एक नई व्यवस्था और नई परंपराओं के निर्माण का एक प्रमुख उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर स्कूली बच्चों के साथ हुई अपनी बातचीत का उल्लेख किया और बच्चों के बीच इस रेलगाड़ी के बारे में उत्सुकता एवं उत्साह की भावना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत रेलगाड़ी भारत के जोश और उत्साह का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह ट्रेन हमारे कौशल, आत्म विश्वास एवं क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे।

रानी कमलापति, भोपाल से नई दिल्ली जाने वाली वन्दे भारत उद्घाटन के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री एस.पी.बघेल को आगरा कैंट स्टेशन पर रेल समाचार ब्यूरों के प्रधान सम्पादक/सदस्य रेलवे सलाहकार समिति ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा पटका पहनाकर रेल समाचार ब्यूरो पत्र सौंपते हुए। सदस्य के रूप में भूपेन्द्र सिंह पाल, सिसोदिया एवं डी.एल. गुप्ता मौजूद रहे।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के कार्यो की आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय में सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा के प्रयोग में बहुआयामी प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भंडार विभाग द्वारा किए जा रहे राजभाषा हिंदी के प्रयोग- प्रसार के कार्यो की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में भंडार विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यो की सुरुचिपूर्ण प्रस्तुति की गई। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि हमारी रेलवे पूरी तरह हिंदी भाषी क्षेत्र में है और हम सब की मातृभाषा हिंदी है, अतरू हमें पूरी कर्तव्यभावना और प्रतिबद्धता के साथ अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में हमारी रेलवे अग्रणी भूमिका निभाकर और सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन कर नई उपलब्धियाँ हासिल कर सके। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने भंडार विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की और इस कार्य को निष्पादित करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पन्द्रह हजार रूपये के पुरस्कार की घोषणा की। इस क्रम में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित मदों के अनुसार भंडार विभाग द्वारा हिंदी में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के आरंभ में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक प्रताप सिंह शमी द्वारा महाप्रबंधक सतीश कुमार का स्वागत किया गया और और उन्हें विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया गया। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता, सचिव/ महाप्रबंधक अजय सिंह, मुख्य सामग्री प्रबंधक/ विद्युत सुनील कुमार अग्रवाल, मुख्य सामग्री प्रबंधकधविक्रय अनुराग अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह तथा उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/आईसी सुनील आजाद, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी चन्द्र भूषण पाण्डेय सहित राजभाषा तथा भंडार विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस का गोसलपुर, दोंडाईचा एवं डुन्डी स्टेशनों में ठहराव की सुविधा

रे.स.ब्यू./सूत्र:बिलासपुर–रेल यात्रियो की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या १२८३४/ १८२३३ बिलासपुर- इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस का पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत गोसलपुर, दोंडाईचा एवं डुन्डी स्टेशनों में ठहराव की सुविधा प्रदान की गयी है, यह सुविधा दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ से दी जाएगी। यह ठहराव प्रायोगिक तौर पर अस्थायी रूप से ६ महीने के लिए दिया जा रहा है । दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी १२८३४ बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन गोसलपुर रेलवे स्टेशन १६.४८ बजे पहुचकर १६.५० बजे रवाना होगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२३३ इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन का गोसलपुर रेलवे स्टेशन में ०४.४६ बजे पहुचकर ०४.४८ बजे रवाना होगी । दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी १२८३४ बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन दोंडाईचा रेलवे स्टेशन १६.५८ बजे पहुचकर २०.०० बजे रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२३३ इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन का दोंडाईचा रेलवे स्टेशन में ०४.३६ बजे पहुचकर ०४.३८ बजे रवाना होगी । दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी १२८३४ बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन डुन्डी रेलवे स्टेशन १६.२६ बजे पहुचकर १६.२८ बजे रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनांक ०७ अप्रैल, २०२३ को इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२३३ इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन का डुन्डी रेलवे स्टेशन में ०५.२० बजे पहुचकर ०५.२२ बजे रवाना होगी ।

दो दिवसीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत)-२०२२ का हुआ समापन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत)-२०२२ का आयोजन दिनांक १७.०३.२०२३ से १८.०३.२०२३ तक किया गया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि सतीश कुमार, महाप्रबंधक एवं विशिष्ट अतिथि रूबी रानी सिंह, अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगीत की ०४ विधाओं यथा सुगम गायन, शास्त्रीय गायन, सुगम वादन तथा शास्त्रीय वादन में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल के विभिन्नजोनों के लगभग २०० प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सुगम गायन (एकल) में पश्चिम रेलवे/मुम्बई (प्रथम), उत्तर पूर्व सीमान्त रेलवे/ गुवाहाटी (द्वितीय) एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे/हुबली (तृतीय),शास्त्रीय गायन (एकल) में पूर्वोत्तर रेलवे/ गोरखपुर (प्रथम) मध्य रेलवे/ मुम्बई (द्वितीय), दक्षिण पूर्व रेलवे/ कोलकाता (तृतीय) एवं इंटीग्रल कोच फैक्ट्री/चेन्नई (सांत्वना), वाद्य यंत्र सुगम (एकल) में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री/ चेन्नई (प्रथम), उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज (द्वितीय) एवं बनारस लोकोमोटिव वर्क्स वाराणासी (तृतीय) वाद्य यंत्र शास्त्रीय (एकल) में पूर्व रेलवे कोलकाता (प्रथम), पश्चिम रेलवे मुम्बई (द्वितीय) एवं इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई (तृतीय) की सांस्कृतिक टीमें विजेता रही तथा उपरोक्त सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पश्चिम रेलवे मुम्बई अव्वल स्थान पर रही। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर मध्य रेलवे सांस्कृतिक संगठन के सौजन्य से संपन्न कराया गया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में अजय कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, उत्तर मध्य रेलवे सांस्कृतिक संगठन,संजय कुमार वंशल, उपाध्यक्ष, उत्तर मध्य रेलवे सांस्कृतिक संगठन एवं गार्गी उमराव, सचिव, उत्तर मध्य रेलवे सांस्कृतिक संगठन तथा सभी विभागाध्यक्ष, कार्मिक विभाग के सभी अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। समापन समारोह के दौरान मंच का संचालन गार्गी उमराव, सचिव, उत्तर मध्य रेलवे सांस्कृतिक संगठन द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारीगण, महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

डीएफसीसीआईएल के न्यू डीडीयू यार्ड पर पहला लोको ट्रायल हुआ संपन्न

साभारः प्रयागराज डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जो पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के दनकुनी तक जिसकी दूरी १८५६ किलोमीटर है ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का अधिकतम हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में न्यू दादरी से न्यू चुनार तक ट्रेनों का परिचालन हो रहा है ईडीएफसी के प्रयागराज यूनिट का सेक्शन न्यू डीडीयू से न्यू भाऊपुर तक है जो ४१७ किलोमीटर का है जिसमें ३७८ किलोमीटर पर मालगाड़ियों का परिचालन हो रहा है इसी क्रम में न्यू डीडीयू यार्ड में फर्स्ट लोको को रन कर ट्रायल संपन्न किया गया यह डीएफसी डीडीयू यार्ड को पूरा करने के लिए इंडियन रेलवे से बीपीसीएल साइडिंग के मौजूदा कनेक्शन को काट दिया जाएगा बीपीसीएल साइडिंग को डीएफसी ट्रैक के साथ जोड़ा जायेगा। जिसके लिए लोको ट्रायल किया गया है, बहुत जल्द इस सेक्शन को भी खोल दिया जाएगा इस सेक्शन के खुलते ही दिल्ली हावड़ा रुट की ट्रेनों के परिचालन में काफी सुधार देखने को मिलेगा,इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक पूर्व ओम प्रकाश, महाप्रबंधक एसएनटी आनंद भूषण सरन, अपर महाप्रबंधक परिचालन मन्नू प्रकाश दुबे, डिप्टी सीपीएम इंजीनियरिंग यशपाल कुमार, आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे के १२३ वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नवीन कुमार के निर्देशन तथा संतोष बाजपेयी, सहायक उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के नेतृत्व में १२३वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम, गायत्री तीर्थ, शांति कुंज, हरिद्वार में दिनांक १३.०३.२०२३ से १७.०३.२०२३ में आयोजित किया गया। गायत्री तीर्थ, शांति कुंज, हरिद्वार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यालय से १०, प्रयागराज मंडल से ०८, झाँसी मंडल एवम कारखाना से ०७, आगरा मंडल से ०७ तथा कारखाना सिथौली से ०२ सहित कुल ३४ सुपरवाईजारों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमोद भटनागर, डा. ओ पी शर्मा, संदीप जी एवं अशरण शरण, प्रतिनिधि शांतिकुंज हरिद्वार, ए के राना, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज डा. जितेंद्र कुमार, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (याता), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, अमित मालवीय, वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, बी के मिश्रा, सचिव/महानिदेशक/भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी/बड़ोदरा, अंजू सिंह, मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद एवं अन्य व्याख्याताओं द्वारा प्रभावी संचार, अनुसाशन एवं अपील नियम, टीम निर्माण एवं नेतृत्व, टेंडर एवं कॉन्ट्रैक्ट्स, रेलवे के प्रति कर्त्तव्य और जनसंपर्क, आर टी आई, समूह व्यवहार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन विषयों पर व्याखान दिए गए। उक्त कार्यक्रम में "स्वास्थ्य का जीवन में महत्व" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ पुरस्कार राशि तथा चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना राशि का पुरस्कार प्रदान किया गया।

उक्त कार्यक्रम का समापन दिनांक १७.०३.२०२३ को नवीन कुमार, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, प्रयागराज द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण तथा बी के मिश्रा, सचिव/ महानिदेशक/ भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी/ बड़ोदरा द्वारा निबंध प्रतियोगिताएं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया।

विश्व बैंक की टीम ने किया DFCCIL के दीन दयाल उपाध्याय से भाऊपुर सेक्शन का दौरा

साभारः विश्व बैंक की टीम ने DFCCIL के दीन दयाल उपाध्याय से भाऊपुर सेक्शन का दिनांक १५ और १६ मार्च २०२३ को दौरा किया। विश्व बैंक की टीम में सरोज आयुष, मार्था, रिक और स्टीव शामिल थे। टीम के साथ ओमप्रकाश सिंह मुख्य महाप्रबंधक एवं मन्नू प्रकाश दुबे अपर महाप्रबंधक, DFCCIL के साथ अन्य अधिकारी और कर्माचारी उपस्थित रहे।विश्व बैंक की टीम ने मार्ग में दीन दयाल उपाध्याय यार्ड का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि दीन दयाल उपाध्याय यार्ड क्थ्ब्ब्प्ट के सबसे बड़े यार्डो में से एक है। टीम ने न्यू डगमगपुर से न्यू ऊंचाडीह तक स्पीड ट्रायल भी किया।दिनांक १६ मार्च को टीम ने सूबेदारगंज प्रयागराज स्थित ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का दौरा किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने DFCCIL द्वारा अपनाई जा रही परिचालन प्रक्रियाओं का जायजा लिया। टीम ने GMR, L&T, ALSTOM के प्रतिनिधियों के साथ उनके अनुभव और परियोजना से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी बातचीत की। विश्व बैंक की टीम ने काम पूरा करने की दिशा में डीएफसीसीआईएल और ठेकेदारों के प्रयास की सराहना की। टीम ने परियोजना के सबसे लंबे पुलों में से एक यमुना ब्रिज का भी दौरा किया।

रेलवे सुरक्षा बल ने वर्ष २०२२-२३ में चोरी की हुई १६ लाख ८५ हजार रूपये की संपत्ति बरामद की

रे.स.ब्यू./सूत्रःबिलासपुर- रेलवे सुरक्षा बल,दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल यात्रियों, रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ ही साथ अपने सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सर्वाच्च प्राथमिकता के साथ कर रही है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कर्तव्यनिष्ठा से जरूरतमंद यात्रियों, महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ यात्रियों एवं उनके कीमती सामानों की सुरक्षा के किए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा रेल यात्रियों एवं उनके कीमती सामानों की सुरक्षा के लिए'अ परेशन यात्री सुरक्षा' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत यात्रियों को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इस अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्ष २०२२-२३ के अप्रैल' २०२२ से फरवरी' २०२३ माह के दौरान यात्रियों के सामानों को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ कारवाई करते हुए चोरी के ६७ मामलों में ११६ अपराधियों की गिरफ्तारी से १६ लाख ८५ हजार ५ सौ १८ रूपये की संपत्ति बरामद की । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, सुरक्षा बल के जवान सतर्कता, सुरक्षा और सेवा के उद्देश्य के साथ चौबीस घंटे लगन से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सेवाभाव के साथ कर रहे है। साथ ही रेलवे सुरक्षा बल नियंत्रण कक्ष में चौबीसों घंटे चल रहे सुरक्षा हेल्पलाइन और महिला हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को त्वरित सहायता प्रदान की जाती है। रेलवे स्टेशनों/ट्रेनों पर महिला आरपीएफ स्टाफ की तैनाती के द्वारा महिला यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिये जा रहे है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मचारियों द्वारा रात्रि में चलने वाली अतिसंवेदनशील ट्रेनों को एस्कॉर्ट किया जा रहा है । असुरक्षित ट्रेनों/सेक्शनों में पर्याप्त संख्या में डिक य टास्क फोर्स टीमों की तैनाती द्वारा यात्री सामान की चोरी, नशाखोरी, पाकिटमारी तथा अन्य जघन्य अपराध जैसे चोरी, डकैती में शामिल अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेल सुरक्षा बल अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल काफी ऊंचा है और वे रेल यात्रियों, यात्री परिसर और रेलवे संपत्ति की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने के रेल सुरक्षा बल के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध एवं समर्पित हैं ।

''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

अंतर्राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चौंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ी का शानदार प्रदर्शन

रे.स.ब्यू./सूत्रः ऑकलैंड, न्यूजीलेंड में मास्टर्स वेटलिफ्टिंग विश्व कप २०२३ और मास्टर्स कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चौंपियनशिप दिं ०३.०३.२०२३ से ०७.०३.२०२३ तक आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और कांस्य पदक प्राप्त किया। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में कार्यरत चेकिंग स्टाफ जितेंद्र नाथ सिंह ने कुल १८३ किलोग्राम वजन उठा कर ८६ किलो भारवर्ग मे कांस्य पदक जीता। कांस्य पदक जीत कर उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे का गौरव बढ़ाया। विजेता प्रतिभागी को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि पदक जीतने वाले हमारे खिलाड़ी पर हमे गर्व है और हमें उम्मीद है कि भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल के लिए पदक हासिल करेंगे।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

सम्पादकीय

उम्मीद कांग्रेस की

राहुल गांधी को मानहानि मामले में दो साल कैद की सजा सुनाए जाने के एवं लोकसभा सदस्यता रद्द होना कांग्रेस और विपक्षी दलों के लिए शुरुआती तौर पर पॉजिटिव नतीजा लाता दिख रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में ही संभवतरू उस सवाल का भी जवाब छुपा है जो कानून के जानकार सदस्यता रद्द होने के बाद से ही पूछ रहे हैं कि आखिर कांग्रेस सूरत अदालत के फैसले को तत्काल ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दे रही। इस फैसले के बाद कांग्रेस ने देश भर में सत्याग्रह और धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम चलाया। राहुल भी आज वह राहुल नहीं जो भारत जोड़ो यात्र से पहले थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चौंबर में बुलाई गई बैठक में तृणमूल कांग्रेस के भी नेता शामिल हुए, जो कुछ समय पहले तक विपक्षी एकजुटता के नाम पर समाजवादी पार्टी और बीजेडी जैसे गैर-कांग्रेस दलों को साथ लाने की कोशिश में जुटी थी। संसद में गांधी प्रतिमा से लेकर विजय चौक तक पैदल मार्च में भी विपक्षी दलों के नेता साथ नजर आए। असल में राहुल गांधी की सांसदी रद्द होने को चाहे जितना भी बड़ा राजनीतिक मसला बनाने की कोशिश की जाए, जानकारों के मुताबिक इसमें कानून के उल्लंघन का कोई आरोप ठहरना मुश्किल है। ऐसे में स्वाभाविक ही कांग्रेस कानूनी लड़ाई को प्राथमिकता देती नहीं दिखना चाहती। वह देर-सबेर इसे अदालत में चुनौती दे भी देगी, पर उससे पहले इसका पूरा राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। लेकिन क्या सचमुच उसे इस मामले का राजनीतिक लाभ मिलने वाला है? इसका साफ-साफ जवाब तत्काल नहीं दिया जा सकता। सबसे बड़ी बात यह कि इस पूरी कवायद के बाद अगर कांग्रेस बनाम बीजेपी या राहुल बनाम मोदी का ही सीन बनना है तो इसके लिए विपक्ष कितना तैयार है। यह बात सत्तारूढ़ दल के नेता ही नहीं। ।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने किया अहमदाबाद और गैटविक के बीच सीधी उड़ान का उद्घाटन

पसूका/नई दिल्लीः केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अहमदाबाद और गैटविक के बीच सीधी उड़ान का उद्घाटन किया। दिनांकः २८.०३.२०२३ को इस मौके पर ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि यह नई हवाई कनेक्टिविटी व्यापार और वाणिज्य के लिए नए अवसर प्रस्तुत करेगी और ब्रिटेन में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की मदद करेगी। अहमदाबाद में कनेक्टिविटी की चर्चा करते हुए, सिंधिया ने कहा कि अहमदाबाद का सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में ५० लाख घरेलू और २५ लाख अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। सरकार का लक्ष्य अहमदाबाद की यात्री क्षमता को बढ़ाकर १.६० करोड़ करना है। उन्होंने कहा कि २०१३-१४ में अहमदाबाद केवल २० गंतव्यों से जुड़ा था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले ६ वर्षों में यह कनेक्टिविटी बढ़कर ५७ गंतव्यों तक पहुंच गई है। पिछले ६ वर्षों में, अहमदाबाद से साप्ताहिक हवाई यातायात आवाजाही ६८० प्रति सप्ताह से १२८ प्रतिशत बढ़कर २०३६ प्रति सप्ताह हो गई है। गुजरात में नागरिक उड्डयन के विकास पर सिंधिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में अवसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। कांडला में एक नया टर्मिनल विकसित किया गया है, सूरत में २५० करोड़ रुपये की लागत से एक नया समेकित टर्मिनल भवन और वडोदरा में एक नया एटीसी टॉवर सह-तकनीकी भवन बनाया गया है। वर्तमान में, गुजरात में १० हवाई अड्डे हैं और धोलेरा में १३०५ करोड़ रुपये की लागत से और हीरासर राजकोट में १४०५ करोड़ रुपये की लागत से दो नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के विकास के साथ यह संख्या बढ़कर १२ हो जाएगी। गुजरात में, गुजरात के हवाई अड्डों से प्रचालित होने वाली उड़ानों की संख्या २०१३-१४ में ११७५ से बढ़कर २५०० से अधिक हो गई है। आरसीएस उड़ान स्कीम के तहत, गुजरात को ८३ रूट प्रदान किये गए हैं और उनमें से ५५ पहले से ही संचालन में है और बाकी जल्द ही संचालन में आ जाएंगे।

गुजरात सरकार के मंत्री बलवंतसिंह राजपूतय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल और एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

नई सूचना व्यवस्था को आकार देने में भारत को बराबर की भागीदारी निभानी होगीः अनुराग ठाकुर

पसूका/नई दिल्लीः केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारतीय सूचना सेवा भारत की सरकारी सूचना व्यवस्था की अग्रिम पंक्ति की रक्षक है जो भारत के हितों की रक्षा करती है और शासन के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करती है। नई दिल्ली में भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के २०१८, २०१६ और २०२० बैच के अधिकारियों के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि आईआईएस बेहद गर्व और पर्याप्त तरीके से संचार व पहुंच की भूमिका निभाती है। नई दिल्ली में भारतीय जनसंचार संस्थान में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ सेवा से जुड़े और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए, ठाकुर ने कहा कि जल्द ही अधिकारियों को विभिन्न मीडिया के माध्यम से, केन्द्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में लोगों से संवाद करने की महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी ऐसे समय में सेवा में प्रवेश कर रहे हैं जब मात्र २८० अक्षरों के ट्वीट में दुनिया भर में ८ अरब की आबादी को प्रभावित करने की शक्ति है। प्रौद्योगिकी संचालित युग में, अधिकारी अधिक विश्वसनीय और संपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए गैर-आधिकारिक सूचना प्रसारकों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ, मीडिया परिदृश्य लगातार आकार ले रहा है, अतः उन्होंने अधिकारियों को दर्शकों से प्रभावी ढंग से जुड़ने और हमारे संदेशों को प्रेषित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों, विचारधारा व तकनीकों से अच्छी तरह वाकिफ होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। ठाकुर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आगे का कार्य चुनौतियों से भरा है। उन्होंने ५सी मंत्र की पेशकश की जो भारत/२०४७ के लिए संवाद का मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि पांच सी हैं नागरिक- केन्द्रित सूचना (सिटीजन सेंट्रिक कम्युनिकेशन)- संचार नागरिकों की जरूरतों और हितों पर केन्द्रित होना चाहिए, यह सुनिश्चित हो कि यह सभी के लिए सुलभ, समावेशी और समझने योग्य हो। लक्षित दर्शकों के साथ सह निर्माण (को-क्रिएट विद टार्गेट ऑडियंस) - सूचना और संदेश के निर्माण व डिजाइन में लक्षित दर्शकों को शामिल करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उपयुक्त है और समझ में आता है। सहयोग (कोलेबोरेशन)- सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करें और एक दूसरे की ताकत व विशेषज्ञता का लाभ उठाएं। अवलोकन (कंटैम्पलेशन) -आवश्यकता-नुसार सुधार और समायोजन करने के लिए संचार रणनीतियों की प्रभावशीलता को प्रतिबिंबित करने और मूल्यांकन करने के लिए समय निकालें। क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग)- संचार क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों और चुनौतियों के अनुकूल होने के लिए कौशल व ज्ञान को लगातार विकसित करें। ठाकुर ने उस समय की तुलना की जब इस सेवा की स्थापना की गई थी जब युद्ध के बाद की वैश्विक सूचना व्यवस्था आकार ले रही थी। उन्होंने कहा कि अब हम एक महामारी के बाद नई सूचना व्यवस्था का जन्म देख रहे हैं क्योंकि एक दूसरे से उचित तालमेल की भू-राजनीतिक सीमाएं नये सिरे से बन रही हैं और भू-रणनीतिक मुद्दों को फिर से तैयार किया जा रहा है। वर्तमान पैटर्न और नियमों पर आधारित सूचना का प्रसार विशाल टेक्नोलॉजी कम्पनियों के जबरदस्त प्रभुत्व वाली नई सूचना व्यवस्था के मूल में निहित है। एक बार फिर, हम पश्चिम को नई सूचना व्यवस्था को आकार और रूप देते हुए देख रहे हैं, विशाल टेक्नोलॅजी उनके साथ मजबूती से जुड़ी हुई है। मंत्री ने आगाह किया कि यह स्वतंत्र देशों को उनकी स्वायत्तता से बाहर कर सकता है, यह तय करने के लिए कि उनके लिए सबसे अच्छा क्या है। यहां, उन्होंने कहा, अधिकारियों की एक भूमिका है जिन्हें बाहर से थोपी गई सूचना व्यवस्था के खिलाफ चारदीवारी बनना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, नई सूचना व्यवस्था को आकार और रूप देने में समान भागीदार होना चाहिए।

महादेवी वर्मा की जयंती के उपलक्ष्य में विचार-गोष्ठी सह हिंदी कार्यशाला

रे.स.ब्यू./सूत्रः हाजीपुर पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, में महादेवी वर्मा की जयंती के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग द्वारा विचार-गोष्ठी सह हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक २७.०३.२०२३ को इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय पंकज, सुप्रसिद्ध वरिष्ठ गीतकार व लेखक ने महादेवी वर्मा के जीवन एवं उनकी रचनाओं पर विस्तार से अपने विचारों को साझा किया. उनका कहना था कि महादेवी वर्मा आधुनिक हिन्दी की सबसे सशक्त कवयित्रियों में से एक होने के कारण उन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है। कवि निराला ने उन्हें "हिन्दी के विशाल मन्दिर की "सरस्वती" भी कहा है। महादेवी ने स्वतन्त्रता के पहले का भारत भी देखा और उसके बाद का भी। वे उन कवियों में से एक हैं जिन्होंने व्यापक समाज में काम करते हुए भारत के भीतर विद्यमान हाहाकार, रुदन को देखा, परखा और करुण होकर अंधकार को दूर करने वाली दृष्टि देने की कोशिश की। न केवल उनका काव्य बल्कि उनके सामाज सुधार के कार्य और महिलाओं के प्रति चेतना भावना भी इस दृष्टि से प्रभावित रहे। उन्होंने मन की पीड़ा को इतने स्नेह और श्रृंगार से सजाया कि दीपशिखा में वह जन-जन की पीड़ा के रूप में स्थापित हुई और उसने केवल पाठकों को ही नहीं समीक्षकों को भी गहराई तक प्रभावित किया। उन्होंने खड़ी बोली हिन्दी की कविता में उस कोमल शब्दावली का विकास किया जो अभी तक केवल ब्रजभाषा में ही संभव मानी जाती थी। इसके लिए उन्होंने अपने समय के अनुकूल संस्कृत और बांग्ला के कोमल शब्दों को चुनकर हिन्दी का जामा पहनाया। रेलेतर वक्ता के रूप में मौके पर उपस्थित डॉ. सुजीत कुमार वर्मा, साहित्यकार ने महादेवी वर्मा के संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए कहा कि उन्होंने अध्यापन से अपने कार्य-जीवन की शुरूआत की और अन्तिम समय तक वे प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्रधानाचार्य बनी रहीं। उनका बाल-विवाह हुआ परन्तु उन्होंने अविवाहित की भाँति जीवन-यापन किया। प्रतिभावान कवयित्री और लेखिका महादेवी वर्मा साहित्य और संगीत में निपुण होने के साथ-साथ कुशल चित्रकार और सृजनात्मक अनुवादक भी थीं। उन्हें हिन्दी साहित्य के सभी महत्त्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव प्राप्त है। भारत के साहित्य आकाश में महादेवी वर्मा का नाम रुवतारे की भाँति प्रकाशमान है। २०वीं शताब्दी की सर्वाधिक लोकप्रिय महिला साहित्यकार के रूप में वे जीवन भर पूजनीय बनी रहीं। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भी अपने-अपने विचार रखें. गौरतलब है कि यह कार्यक्रम दो सत्रों में विभाजित था। पहले सत्र में महादेवी वर्मा पर केन्द्रीत विचार-गोष्ठी वहीं दूसरे सत्र में हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ।

झाँसी मंडल ने किया उल्लेखनीय परिचालनिक प्रदर्शन

रे.स.ब्यू./सूत्रःमंडल रेल प्रबंधक आशुतोष एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबन्धक अखिल शुक्ल के मार्गदर्शन में झाँसी मंडल परिचालन विभाग द्वारा निरंतर उपलब्धियां दर्ज कर रहा है। मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जहाँ दिनांकः २२.०३.२३ को भीमसेन इंटरचेंज पॉइंट से सर्वाधिक ४१ मालगाड़ियों का आदान प्रदान किया गया। वही दिनांक २३.०३.२३ को भीमसेन जंक्शन जो की कानपुर के लिए इंटरचेंज पॉइंट है, को २६ मालगाड़ियां प्रदान कर इस वित्तीय वर्ष में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, इससे पूर्व दिनांक २७.०२.२३ को २४ मालगाड़ियां भीमसेन जंक्शन इंटरचेंज पॉइंट को प्रदान की गयीं थी। उक्त प्रदर्शन का श्रेय झाँसी मंडल में निरंतर चल रहे अनुरक्षण कार्य तथा अवसंरचनात्मक उच्चीकरण एवं विकास कार्यों को जाता है।

८०वीं अखिल भारतीय रेलवे हॉकी लीग प्रतियोगिता आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रः झांसी। उत्तर मध्य रेलवे खेलकूद संघ प्रयागराज के तत्वावधान में झांसी मण्डल रेलवे खेलकूद संघ द्वारा आयोजित स्थानीय रेलवे ह की स्टेडियम में खेली जा रही ८०वी अखिल भारतीय रेलवे ह की पुरुष (लीग राउंड) चौम्पियनशिप में खेला गया पहला मैच आरसीएफ, कपूरथला बनाम सदन रेलवे चेन्नई के बीच खेला गया एकतरफा मैच आरसीएफ, कपूरथला ने १२-३ से जीत हासिल कर नॉक आउट में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरे मैच मेजवान एनसीआर प्रयागराज बनाम वेस्टर्न रेलवे मुम्बई के बीच कांटे की टक्कर में वेस्टर्न रेलवे मुम्बई ३-२ से विजयी रही । दिन के आखिरी मैच साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे बिलासपुर बनाम साउथ वेस्टर्न रेलवे हुबली के बीच खेला गया जो २-२ गोल से बराबर रहा। मैचों के दौरान टूर्नामेंट आफिशियल में निशान मोहंती (अंतरराष्ट्रीय अम्पायर) महेंद्र कोरिया, प्रीत सिंह, बृजेश कुशवाह, तवरेज खान, सैय्यद अली, बलवंत कुमार, सौरव गुप्ता, सी मूरूगेवल, सुनील गुप्ता, तकनीकी अधिकारी में विनम्र खंडकर व रवि, निर्णायक में हरमीत सिंह, प्रभा गुप्ता, आरिफ अली, सरिता ग्रोवर, गौरव सिंह सेंगर एवं रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) नई दिल्ली द्वारा नामित टूर्नामेंट डायरेक्टर सूर्या प्रकाश, अम्पायर मैनेजर नदीम शेख, टूर्नामेंट आब्जर्वर पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुबोध खंडकर एवं रेलवे बोर्ड चयन समिति सदस्य पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हसरत कुरैशी, अजिंदर पाल सिंह व इश्तियाक अली विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रेलवे के पूर्व ह की खिलाड़ी कमल किशोर ने किया ।

एफसीआई सलाहकार समिति बैठक में बाजरा खरीदी एवं गोदाम निर्माण की रखी गई मांग

साभारः भारतीय खाद्य निगम राज्य सलाहकार समिति के अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद राजेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में आयोजित बैठक में राज्य सलाहकार समिति सदस्य श्रीकृष्ण गौतम ने फिरोजाबाद एवं आगरा जिले में बाजरा की ज्यादा से ज्यादा खरीदी किए जाने तथा सोनभद्र एवं मिर्जापुर जिले धान उत्पादक क्षेत्र हैं। अतः यहां से ज्यादा से ज्यादा धान खरीदी की जाए तथा गोदामों का निर्माण कराया जाए। जिस पर गौतम को उन्होंने आश्वस्त किया कि सोनभद्र में भारत सरकार की निजी उद्यमी गारंटी (पीईजी) योजना अंतर्गत बीस हजार मेट्रिक टन क्षमता का लगभग पन्द्रह करोड़ पचास लाख रूपए की लागत से एक गोदाम निर्माण कराया जाएगा। इसका एक निश्चित किराया १० वर्षो के लिए एफसीआई द्वारा गोदाम निर्माता को भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त गौतम ने रेलवे साईडिगों पर खाद्यान्न की सुरक्षा हेतु गुड्स शेड निर्माण हेतु भारतीय खाद्य निगम अपने प्रस्ताव मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) को भेजें जिस पर शीघ्र निर्माण हेतु पूरा सहयोग किया जाएगा। अध्यक्ष एवं सांसद ने भी आश्वस्त किया के इस मुद्दे को मैं रेल मंत्री जी के समक्ष भी रखूंगा। गौतम ने खाद्य भंडारण, खाद्यानों की खरीद और वितरण, खाद्यानों की गुणवत्ता, एवम मार्गस्थ एवम भंडारण की हानियां, भंडारण की बिक्री एवम निपटान, अंत्योदय एवम गरीबी रेखा से ऊपर और नीचे आवंटन, उठान और वास्तविक वितरण पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच तालमेल बैठाने के प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा गोदाम निर्माण कराए जाने, जिससे कि खाद्यान्नों के भंडारण एवं आवाजाही की सुविधा बढ़ सके।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में ५वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है-अमित शाह

पसूका/नई दिल्लीः केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक के रायचूर में ४५०० करोड़ रूपए के कुल २३६ विकास कार्यो का उद्‌घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें जल जीवन मिशन के तहत १४०० गांवों और ७ शहरों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, पीडब्ल्यूडी के १०५ कार्य और कर्नाटक सड़क विकास ऐजेंसी के १६ कार्य शामिल हैं। २६.०३.२०२३ को अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार ही कर्नाटक का भला कर सकती है। उन्होने कहा कि कर्नाटक में अनेक विकास कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने ऊपरी भद्रा योजना के लिए ५३०० करोड़ रुपए और ऊपरी कृष्णा योजना के लिए ५००० करोड़ रुपए प्रदान किए, साथ ही महादायी मुद्दे का समाधान किया। इसके अलावा रायचूर जिले में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे का निर्माण शुरू हो गया है। झींगे के निर्यात शुल्क में कमी करके प्रधानमंत्री मोदी ने झींगापालन से जुड़े किसानों को भी फायदा पहुंचाया है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ११वीं से विश्व की ५वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दुनिया में सबसे ज़्यादा मोबाइल बनाने वाले देशों में भारत दूसरे, स्टार्ट-अप में तीसरे और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में चौथे स्थान पर है।

इन सभी उपलब्धियों के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को ५ ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के शासन में सीमापार से आतंकी भारत में घुसकर हमला करते थे और सरकार कुछ नहीं बोलती थी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने उड़ी और पुलवामा हमलों का बदला सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के जरिए आतंकियों का सफाया करके लिया।

शाह ने कहा कि सिर्फ मोदी जी ही भारत को समृद्ध और सुरक्षित बना सकते हैं। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस देश के करोड़ों लोगों के कल्याण के लिए अनेक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने १३ करोड़ गैस सिलिंडर दिए, १० करोड़ शौचालय बनाए, हर घर बिजली पहुंचाई और प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के माध्यम से हर गरीब को ५ लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा दिया।

हिमांशु बडोनी बने प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक

रे.स.ब्यू./संवा प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का पदभार हिमांशु बडोनी ने दिनांक १२.०४.२०२३ को ग्रहण कर लिया। हिमांशु बडोनी भारतीय रेल की इंजीनियरिंग सेवा (IRSE) के १९८३ बैच के अधिकारी हैं, उन्होंने यह पद निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा से ग्रहण किया। मोहित चंद्रा अपना कार्यकाल पूरा करने के उपरांत अब रेलवे बोर्ड मे एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर /इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (रोलिंग स्टॉक) के पद पर पदस्थापित होंगे। इसके पूर्व हिमांशु बडोनी राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे। हिमांशू बडोनी ने अपनी स्नातक की पढ़ाई IIT रुड़की एवं परास्नातक की पढ़ाई IIT दिल्ली से की है। बडोनी इसके पहले भी प्रयागराज मंडल और उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवा प्रदान कर चुके हैं, जिसमें सहायक मंडल इंजीनियर/प्रयागराज मण्डल, मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/ प्रयागराज मण्डल, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी / इंजीनियरिंग, सचिव प्रधान मुख्य इंजीनियर, उप मुख्य इंजीनियर/सी.पी.ओ.एच. आदि महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

मीनाक्षी लेखी ने नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से पूर्वोत्तर के लिए भारत गौरव रेलगाड़ी को झंडी दिखाकर किया रवाना

पसूका/नई दिल्लीः विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव रेलगाड़ी 'नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरीः बियॉन्ड गुवाहाटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रेलगाड़ी को पूर्वोत्तर भारत की सीमा में आने वाले राज्यों का भ्रमण करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस अवसर पर दिनांक २१.०३.२०२३ को मीनाक्षी लेखी ने कहा, यह रेलगाड़ी अपना विशेष महत्व रखती है क्योंकि इसे चौत्र नवरात्रि/गुड़ी पड़वा जैसे महत्वपूर्ण अवसर की पूर्व संध्या पर रवाना किया जा रहा है। मीनाक्षी लेखी ने इसके लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में हम सभी के लिए एक उपहार की तरह है। विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने प्रधानमंत्री को रेलवे में सुधार के लिए उनकी दूरदृष्टि व पहल के लिए धन्यवाद दिया। विशेष पर्यटक रेलगाड़ी की यात्रा आज नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से आरंभ हुई और यह अगले १५ दिन में असम के गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट और काजीरंगा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर, नागालैंड में दीमापुर एवं कोहिमा और मेघालय के शिलांग तथा चेरापूंजी की यात्र करेगी। १४ रात और १५ दिन तक सफर करने वाली इस पर्यटक रेलगाड़ी का पहला पड़ाव गुवाहाटी है, जहां पर पर्यटक कामाख्या मंदिर और फिर उमानंद मंदिर का भ्रमण करेंगे उसके बाद पर्यटक एक क्रूज पर सवार होकर ब्रह्मपुत्र में सूर्यास्त देखने जाएंगे। यह ट्रेन नाहरलागुन रेलवे स्टेशन के लिए रात भर की यात्रा पर रवाना हो जाएगी, जो अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में अगले गंतव्य से ३० किलोमीटर दूर है। यात्रा के तहत कवर किया जाने वाला अगला शहर शिवसागर है। यह असम के पूर्वी हिस्से में अहोम साम्राज्य की पुरानी राजधानी रहा है। शिवसागर, शिवडोल में प्रसिद्ध शिव मंदिर और अन्य विरासत स्थलों के अलावा इस यात्रा कार्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा है। इसके बाद यात्रा के अगले चरण में पर्यटकों को जोरहाट में चाय के बागान दिखाए जाएंगे और फिर काजीरंगा में रात भर विश्राम करने के बाद उन्हें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में सुबह की जंगल सफारी का अनुभव दिलाने ले जाया जाएगा। असम की यात्रा पूरी करने के बाद यह बहुप्रतीक्षित शानदार पर्यटक रेलगाड़ी त्रिपुरा राज्य के फुरकेटिंग रेलवे स्टेशन से रवाना होगी, जहां पर यात्रियों को प्रसिद्ध उज्जयंत पैलेस सहित उनाकोटी और अगरतला के प्रसिद्ध विरासत स्थलों तथा दर्शनीय स्थलों का अवलोकन करने का अवसर मिलेगा। इसके अगले दिन उदयपुर में नीरमहल पैलेस और त्रिपुरा सुंदरमंदिर की यात्र का कार्यक्रम होगा। त्रिपुरा का भ्रमण करने के बाद रेलगाड़ी नागालैंड राज्य का दौरा करने के लिए दीमापुर पहुंचेगी। बदरपुर स्टेशन से लेकर लुमडिंग जंक्शन के बीच की सुंदर रेल यात्रा को पर्यटक सुबह के समय अपनी सीट से ही देख सकते हैं। दीमापुर स्टेशन से पर्यटकों को नागा जीवन शैली से परिचित कराने के लिए खोनोमा गांव के दौरे सहित अन्य स्थानीय स्थलों पर ले जाने हेतु बसों द्वारा कोहिमा लेकर आया जाएगा। विशेष रेलगाड़ी का अगला ठहराव गुवाहाटी होगा और पर्यटकों को सड़क मार्ग से मेघालय की राजधानी शिलांग तक पहुंचाया जाएगा, इस सफर के दौरान पर्यटकों के लिए रास्ते में खूबसूरत उमियम झील पर एक पिट स्टॉप होगा।

इस यात्रा के अगले दिन की शुरुआत पूर्वी खासी हिल्स में बसे चेरापूंजी के भ्रमण से होगी। शिलॉन्ग पीक, एलिफेंट फॉल्स, नवखलिकाई फॉल्स और मावसई गुफाएं दिन के समय में घूमने वाले मुख्य दर्शनीय स्थल हैं।

इस दौरे को पूरा करने के बाद यात्रियों को चेरापूंजी से वापस गुवाहाटी स्टेशन लेकर आया जाएगा ताकि वे दिल्ली की वापसी हेतु की रेल द्वारा सफर करने के लिए रेलगाड़ी में सवार हो सकें।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कश्मीर घाटी में चिनाब ब्रिज का किया दौरा जल्द ही कश्मीर घाटी भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगी

साभारः अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार यूएसबीआरएल परियोजना की प्रगति का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी में चिनाब पुल पर पहुंचे। इस दौरान महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, आशुतोष गंगाल, एमडी/केआरसीएल, संजय गुप्ता, सीएओ/सी, यूएसबी आरएल, एस.पी. माही, मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर, डॉ. सीमा शर्मा, और उत्तर रेलवे और यूएसबीआरएल परियोजना के अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने मंत्री जी का स्वागत किया। यूएसबीआरएल परियोजना के अधिकारियों ने रेल मंत्री को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब और परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी दी। माननीय मंत्री ने काम की प्रगति देखने के लिए चिनाब पुल और यूएसबीआरएल परियोजना की सुरंगों का ट्रॉली निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। विभिन्न चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इस परियोजना में कार्यरत सभी रेल कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण की रेल मंत्री ने सराहना की। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि शेष कार्य को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने पूरे भारत के प्रमुख मेट्रो साइट्स, जोनल मुख्यालयों में बैठे मीडियाकर्मियों के साथ संवाद कर इस सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर निर्बाध नेटवर्क कनेक्टिविटी को भी दर्शाया। सलाल से ओएफसी केबल के साथ ही जिओ के ३०० एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ, एयरटेल इंटरनेट नेटवर्क के १०० एमबीपीएस, बीएसएनएल इंटरनेट के १०० एमबीपीएस के माध्यम से दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब नदी पर वीडियो और ऑडियो की व्यवस्था की गई।

इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।

-महात्मा गांधी

ओखा और नाहरलागुन के बीच समर स्पेशल का परिचालन

रे.स.ब्यू./संवा रूहाजीपुर- ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु रेलवे द्वारा छपरा-हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-कटिहार के रास्ते ओखा और नाहरलागुन के मध्य गाड़ी सं. ०६५२५/०६५२६ ओखा- नाहरलागुन-ओखा स्पेशल का परिचालन किया जायेगा । गाड़ी सं. ०६५२५ ओखा-नाहरलागुन स्पेशल ०४.०४.२०२३ से २७.०६.२०२३ तक (कुल १३ फेरे) सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को ओखा से २२.०० बजे खुलकर गुरूवार को १५.३५ बजे छपरा, १७.१५ बजे हाजीपुर, १७.५८ बजे शाहपुर पटोरी, १६.२० बजे बरौनी, १६.५३ बजे बेगुसराय, २०.४५ बजे खगड़िया, २१.४५ बजे नौगछिया तथा २३.१० बजे कटिहार रूकते हुए शुक्रवार को १६.०० बजे नाहरलगुन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. ०६५२६ नाहरलागुन-ओखा स्पेशल ०८.०४.२०२३ से ०१.०७.२०२३ तक (कुल १३ फेरे) सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से १०.०० बजे खुलकर रविवार को ०१.२५ बजे कटिहार, ०२.२१ बजे नौगछिया, ०३.२० बजे खगड़िया, ०४.०० बजे बेगुसराय, ०४.३५ बजे बरौनी, ०५.३६ बजे शाहपुर पटोरी, ०७.१५ बजे हाजीपुर, ०६.२५ बजे छपरा रूकते हुए मंगलवार को ०३.३५ बजे ओखा पहुंचेगी।इस स्पेशल ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का ०१ कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के ०२ कोच, शयनयान श्रेणी के १५ कोच तथा साधारण श्रेणी के ०४ कोच होंगे ।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।

डॉ जाकिर हुसैन

मोटे अनाज के प्रयोग से जीवन रहेगा स्वस्थ्यमय- नन्द गोपाल गुप्ता नंदी

साभारः ईट राइट मिलेट्स मेला-२०२३ के आयोजन के अन्तर्गत जिला पंचायत सभागार एवं प्रांगण में अन्न/मिलेट व्यजनों पर आधारित स्टॉल/प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने फीता काटकर ईट राइट मिलेट्स मेला का उद्घाटन किया तथा वहां पर अन्न/मिलेट व्यजनों पर आधारित स्टॉल/प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मोटे अनाजों से बने व्यजनों का आनंद लिया। मंत्री जी ने ०६ कन्याओं को मिलेट्स किट्स का वितरण किया। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इण्टर कालेज, ज्वाला देवी इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, रॉयल पब्लिक स्कूल आदि स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मा० मंत्री जी ने वहां पर उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोटे अनाज के प्रयोग से आपका जीवन स्वस्थ्यमय रहेगा। उन्होंने कहा कि जैसा अन्न, वैसा हमारा तन और मन, यह बहुत ही पुरानी कहावत है। आज यह वास्तविकता में बदल रहा है। आज हम सभी लोग ऐसे भोज्य पदार्थों का ज्यादातर ग्रहण कर रहे है, जिससे हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। आज की पीढ़ी मोटे अनाज के फायदों से पूरी तरह अंजान है। हमें उन्हें उसके लाभों के बारे में बताना होगा और उसके सेवन के लिए प्रेरित करना होगा। साथ ही हमें भी अपने भोजन में नियमित रूप से मोटे अनाज को सम्मिलित करना होगा। मंत्री ने प्रधानमंत्री जी को बधाई देते हुए कहा कि यह उन्हीं की पहल है कि आज पूरा विश्व वर्ष २०२३ को मिलेट्स दिवस के रूप में मना रहा है। मंत्री जी ने कहा कि मोटे अनाज की खेती से किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा होगा, जिससे किसानो के जीवन में खुशहाली और समृद्धि आयेंगी। कोविड काल के बाद लोगो ने पौष्टिक आहार के महत्व को समझा है और अपने शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थो का अपने दैनिक जीवन में उपयोग करना शुरू किया है। मोटे अनाज का सेवन शरीर को मजबूती प्रदान करते है तथा बीमारियों से भी बचाते है। मंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो से यह संकल्प लेने के लिए कहा कि हम अपने और सहयोगी/परिचितों को अन्न/मोटे अनाज के महत्व के बारे में बतायेंगे तथा इसे अपने भोजन में नियमित रूप से सम्मिलित करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ० वी०के० सिंह ने मोटे अनाज से होने वाले लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि इसके सेवन से शरीर के अंग स्वस्थ रहेंगे तथा अपना कार्य बेहतर तरीके से करेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष जी ने कहा कि यह सभी फसल आर्गेनिक फूड्स है और यह सभी फसल बिना किसी खाद का उपयोग किए पैदा हो जाते है। उन्होंने मोटे अनाज से जुड़ी फसलों के उत्पाद तथा इसका अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए कहा है। मोटे अनाज के सेवन से आपके शरीर में फर्क साफ दिखायी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी लोगो को अपने भोजन में मोटे अनाज का उपयोग करना चाहिए।इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, सहायत आयुक्त खाद्य द्वितीय ममता चौधरी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेल समाचार ब्यूरो के प्रधान संपादक ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव डीएफसीसीआईएल के अपर महाप्रबंधक परिचालन मन्नू प्रकाश दुबे को रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका भेंट करते हुए

उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर करें निस्तारित - जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री

साभारः जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया है कि उद्योग बन्धुओं से सम्बंधित प्रकरणों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी एजेण्डा बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए ससमय प्रकरणों को निस्तारित किए जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने रोजगार परक योजनाओं, ग्लोबल इंवेस्टर समिति में धरातल की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारीगणों को निर्देश दिया है कि जो भी औपचारिकताएं है उसकों पूर्ण करते हुए कार्यो को किया जाये तथा साथ बैठक कर जो भी समस्या आ रही है,उसका समाधान किया जाये। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधुओं से जुड़े प्रकरणों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। उन्होंने निवेश पोर्टल पर दर्ज आवेदन पत्रों को समय से निस्तारित करने का निर्देश सभी सम्बंधित विभागों को दिया है। साथ ही साथ यह भी हिदायत दी कि निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदन पत्रों का निस्तारण न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने उद्योग बन्धुओं से प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जो भी प्रकरण लम्बित है,उसे सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निस्तारित कराने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर जीएमडीआईसी लालजी सिंह,उद्योगबंधु से मुरारी लाल अग्रवाल,नटवर लाल भारतीय,गुलाटी जी सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण तथा उद्योग बंधु के सदस्यगण उपस्थित रहे।

Metro Railway Achieves Remarkable Scrap Sales In The Financial Yr 2022-2023

Source/CPRO/Metro Railway/ Kolkata: Metro Railway has achieved remarkable scrap sales in the financial year 2022-2023. Through this sale, Metro Railway has earned Rs 10.12 crores during 2022-23 against the Railway Board's target of Rs 10 crores. Metro earned Rs 8.30 crores during 2021-22 from scrap sales. This is 21.93% higher than the last fiscal. In this process, Metro Railway has completed the disposal of all old and unserviceable items, various condemned transformers and electrical panels, engineering scrap items and many other non-ferrous scrap items. Metro Railway administration makes all-out efforts to dispose of scrap materials and sell through e-auction thus resulting in maintaining transparency, probity and clarity over the whole process. As a result, it has yielded a significant result to surpass the Railway Board's stipulated target. This is a praiseworthy performance by Metro Railway to dispose of scrap in the fastest manner under the dynamic and able leadership of P Uday Kumar Reddy, General Manager. General Manager has congratulated 'Team Metro' for achieving this remarkable feat. Our efforts will not cease here instead it will continue with more determination and enthusiasm and strive for becoming a Scrap Free Zone.

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन ६ अप्रैल को अमृतसर से चलेगी

रे.स.ब्यू./सूत्रः नई दिल्ली । धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल सिख धर्म में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए 'गुरु किरपा यात्रा'भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन करेगी। अमृतसर से हुजूर साहिब नांदेड़, बीदर और पटना साहिब की यात्रा के लिए रेलवे पर्यटक ट्रेन चलाएगी। यह ट्रेन सिखों के धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगी। ६ अप्रैल को अमृतसर रेलवे स्टेशन से ७ दिन के टूर पर रवाना होगी। अमृतसर, ब्यास, जालंधर कैंट, लुधियाना, न्यू मोरिंडा जंक्शन, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र और दिल्ली सफदरजंग स्टेशन से भी यात्री सवार हो सकेंगें। यह ट्रेन ६ अप्रैल को अमृतसर स्टेशन से रवाना होगी। यात्रा के दौरान पर्यटक करीब ५१०० किलोमीटर का सफर करेंगे। आधुनिक किचन कार से यात्रियों को उनकी बर्थ पर ही शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। स्लीपर श्रेणी का किराया १४,१००, एसी तृतीय श्रेणी में यात्रा कराने के लिए २४,२०० रुपये व एसी द्वितीय श्रेणी से यात्रा करने के लिए ३२,३०० रुपये प्रति व्यक्ति यात्रियों को खर्च करने होंगे।

उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय, मंडलों एवं वर्कश पों में विभिन्न पदों पर कार्यरत अराजपत्रित महिला रेलवे कर्मचारियों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन रेलवे अधिकारी क्लब, सूबेदारगंज, प्रयागराज में किया गया। इस अंतर्गत कुल २० अराजपत्रित महिला कर्मचारियों का उत्कृष्ट कार्य हेतु चयन किया गया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा रूबी रानी सिंह द्वारा इन सभी २० उत्कृष्ट रेलवे महिला कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र एवं व्यक्तिगत उपहार से सम्मानित किया गया। दिनांक ३१.०३.२०२३ को संगठन की ओर से आयोजित ड्राइंग एवं पेन्टिंग तथा निबंध प्रतियोगिता-२०२२ में चयनित किये गये बच्चों का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता तीन ग्रुपों में आयोजित करायी गयी थी। इन प्रतियोगिताओं के चयनित बच्चों को संगठन की अध्यक्षा रूबी रानी सिंह द्वारा प्रत्येक ग्रुप के बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार भी दिये गये।कार्यक्रम के दौरान संगठन की सचिव नूपुर अग्रवाल, मीना माथुर, शांता बेउरा, अनुराधा केशरवानी, माधुरी सिंह, रिचा वर्मा, अलका अग्रवाल, विजेता श्रीवास्तव, डा. रितु अग्रवाल, नीलम कुमार, श्रुति सचान, संगीता अग्रवाल, सुषमा तिवारी, सुषमा सक्सेना एवं सुमन वाजपेयी उपस्थित रहीं।

साभार : झांसी के यशस्वी सांसद माननीय अनुराग शर्मा जी, विधायक माननीय रवि शर्मा जी , मण्डल रेल प्रबन्धक आदरणीय आशुतोष जी , वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक आदरणीय शशिकांत त्रिपाठी जी के साथ मंचासीन अतिथि के रूप में झांसी रेल मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों ,जेड आर यू सी सी, उत्तर मध्य रेलवे के सम्मानित सदस्यों, डी आर यू सी सी सदस्यों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति में रानीकमलापति नई दिल्ली वन्देभारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के अवसर पर झांसी में भव्य स्वागत के साथ हरी झंडी दिखाकर अगले गंतव्य की ओर रवाना किया।

मुकेश निगम ने रेल दावा अधिकरण न्यायपीठ प्रयागराज में उपाध्यक्ष (तकनीकी) का पदभार किया ग्रहण

साभारः भारतीय रेल यातायात सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी मुकेश निगम ने दिनांक २०.०३.२०२३ को रेल दावा अधिकरण न्यायपीठ प्रयागराज में उपाध्यक्ष (तकनीकी) का पदभार ग्रहण किया। मुकेश निगम भारतीय रेल यातायात सेवा १९८४ बैच के अधिकारी रहे है। भारतीय रेल में आपने अपना कैरियर दिल्ली मण्डल के तुगलकाबाद में एरिया ऑफिसर के रूप में शुरू किया। इसके बाद आप दिल्ली मण्डल पर विभिन्न पदों मण्डल वाणिज्य अधिकारी, मण्डल परिचालन अधिकारी, वरिष्ठ मण्डल परिचालन अधिकारी आदि पर रहें। आप अगस्त २०१२ से फरवरी २०१५ तक मण्डल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल के रूप में कार्यरत रहें। इसके अतिरिक्त आप प्रबंध निदेशक, रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र नई दिल्ली, अतिरिक्त निदेशक (वाणिज्य) रेलवे बोर्ड नई दिल्ली, कार्यकारी निदेशक, रेलवे बोर्ड नई दिल्ली एवं महानिदेशक भारतीय रेलवे यातायात प्रबंधन संस्थान, लखनऊ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी पदस्थ रहे हैं। आपने रेलवे के बाहर भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया। ३६ वर्ष की गरिमामयी सेवा के बाद दिनांक ३१.०७.२०२१ को भारतीय रेल सेवा से सेवानिवृत हुये थे ।

कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
जार्ज इलियट

CHENAB BRIDGE TO BE READY TO WELCOME TOURISTS OF WEST BENGAL BY DECEMBER, 2023 : ASHWINI VAISHNAW

Source/CPRO/Metro Railway/ Kolkata: Ashwini Vaishnaw, Union Minister of Railways, Communications and Electronics & Information Technology, visited the Chenab Bridge, the world's highest Railway Bridge – a part of Udhampur – Srinagar – Baramulla Rail Link (USBRL) Project and held a press conference at the site on 26.03.2023. Speaking on the occasion, Minister said that the Prime Minister, Narendra Modi through his visionary leadership has opened new avenues of development in the country. The iconic Chenab Bridge is example of such new chapters and dimensions of development materialized by the inspiring leadership of the Prime Minister.Describing the bridge as an engineering marvel, using a mammoth 28000 Metric Ton of steel fabrication, strong foundation adding a span of about half a football ground area will play a pivotal role to establish Jammu – Srinagar direct Rail connectivity. Ashwini Vaishnaw, Minister of Railways also informed that, a Vande Bharat train maintenance depot will be constructed at Badgaon to facilitate running of Vande Metro rake between Jammu & Srinagar.While answering the media at the press conference, Hon'ble Railway Minister revealed the following points : Foundation design of Chenab Bridge was an engineering challenge. The foundation has been built on a vast area having a coverage of half a football ground size to provide adequate stability for the bridge.The Himalaya being a comparatively new mountain, tunnelling work in the Rail route has been an engineering challenge which was sorted out by applying HTM (Himalayan Tunnelling Method) technique developed by Indian engineers.The Vande Metro trains will link the two cities of the state i.e. Jammu & Srinagar within a short span of 3 to 4 hours of journey time.Four Gati Shakti Terminals will be constructed between Baramulla and Banihal to provide easy market for the local merchandize across India and at the same time inhabitants of the valley will get necessary input materials at lower cost due to cheaper logistics service by Railways.The bridge is stable enough to withstand earthquake to the extent of 8 Richter scale which Minister Ashwini Vaishnaw highlighted. The bridge is stable enough to have a life span of 120 years.The Hon'ble Minister assured people that security arrangements will be provided in close co-ordination between Police, Railways & Security Forces and the passengers can safely travel over the section.While constructing the bridge, care has been taken to maintain the availability of water resources to the nearby villages by not disturbing the natural flow of the river.The Railway track in the area is maintenance-free as ballast-less Railway tracks have been laid keeping in view the difficult terrain of the region.While answering to the question of Kolkata media through Kausik Mitra, CPRO of Eastern Railway & Metro Railway regarding tentative time period of availability of direct train connectivity for the tourists of West Bengal from Kolkata to Srinagar enjoying the journey over Chenab Bridge, Ashwini Vaishnaw, Hon'ble Minister of Railways replied that, by the end of December' 2023 or January' 2024, the entire Jammu – Srinagar section will be ready for the tourists of Bengal.

शोभन चौधुरी बने उत्तर रेलवे के नए महाप्रबंधक

पसूका/नई दिल्लीः उत्तर रेलवे का नया महाप्रबंधक के रूप में शोभन चौधुरी को नियुक्त किया गया है। उन्होंने शनिवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे का कार्यभार संभालने से पहले श्री चौधुरी रेलवे बोर्ड के सचिव के रूप में कार्यरत थे। वह १९८६ बैच के आईआरएसएसई अधिकारी है। शोभन ने रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक दूरसंचार विकास, मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल और जबलपुर मंडल में वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर एक्जीक्यूटिव और मैनेजमेंट पदों पर रहकर भारतीय रेलवे की सेवा की है। इसके साथ्ज्ञ ही वे रेल टेल कॉर्पोरेशन में टेलीकॉम संबंधित नीति निर्माण में सराहनीय भूमिका निभा चुके हैं। वे प. मध्य रेलवे में मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर प्रोजेक्ट के पद पर भी रहे। चौधुरी ने १७ अक्टूबर, २०१६ से पश्चिम मध्य रेलवे में अपर महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया है।

नितिन गडकरी ने झारखंड में ६४०० करोड़ रुपये की २१ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

पसूका/नई दिल्लीः केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिनांकः २३.०३.२०२३ को झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा में ६४०० करोड़ रुपये से अधिक की लागत से ५३२ किलोमीटर की २१ परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नितिन गडकरी ने कहा कि ७००० करोड़ रुपये की लागत से रांची से वाराणसी तक २६० किलोमीटर के ४ लेन वाले इंटर कॉरिडोर के निर्माण से ५ घंटे में रांची से वाराणसी पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि ६३५ किलोमीटर का ४ लेन वाला रायपुर-धनबाद आर्थिक कॉरिडोर कोयला, स्टील, सीमेंट और अन्य खनिजों के परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा।

डीएफसीसीआईएल के न्यू डगमगपुर स्टेशन से अहरौरा यार्ड तक पहली लोडेड मालगाड़ी का किया गया परिचालन

साभारः प्रयागराज डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जो पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के दनकुनी तक है जिसकी दूरी १८५६ किलोमीटर है।ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का अधिकतम हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में न्यू दादरी से न्यू चुनार स्टेशन तक ट्रेनों का परिचालन हो रहा है प्रयागराज यूनिट का सेक्शन न्यू भाऊपुर से न्यू डीडीयू तक है। जिसकी दूरी ४२२ किलोमीटर न्यू डगमगपुर से अहरौरा यार्ड तक नव निर्मित डबल रेल लाइन ट्रैक पर जिसकी दूरी २२ किमी है ५३ बोगी लोडेड मालगाड़ी का परिचालन किया गया इस सेक्शन के खुलने से प्रयागराज यूनिट के ४२२ किमी के सेक्शन में ३६२ रुट किलोमीटर में एवम ८८२ ट्रैक किलोमीटर पर ट्रेनों का परिचालन शुरु हो गया। ट्रायल के दौरान मुख्य महाप्रबंधक पूर्व ओमप्रकाश अपर महाप्रबंधक परिचालन मन्नू प्रकाश दुबे एवम ए. बी सरन महाप्रबंधक एसएनटी एवम पंकज जायसवाल महाप्रबन्धक इलेक्ट्रिकल एवम डिप्टी सीपीएम इंजीनियरिंग यशपाल सिंह एवम जीएमआर के राज सिंह टाक पीएमसी के कमल शर्मा एलएनटी के अमित मिश्रा कुणाल मुखर्जी आदि लोग मौजूद रहे।ईडीएफसी ने २०२२-२३ वित्तीय वर्ष में न्यू रूमा से न्यू सुजातपुर २२ फरवरी एवम चुनार से छिवकी २० सितंबर एवम न्यू करछना से न्यू इरादतगंग २६ नवंबर एवम न्यू करछना से न्यू सुजातपुर ३१ दिसम्बर एवम न्यू कानपुर से न्यू भीमसेन २१ अक्टूबर एवम न्यू भीमसेन से न्यू भाऊपुर २८ फरवरी २०२३ को चालू किया गया है। मुख्य महाप्रबंधक पूर्व ओमप्रकाश ने बताया कि इस सेक्शन के खुलने से अब मालगाडिया न्यू भाऊपुर से दगमगपुर तक चलेंगी अब केवल अरौरा से डीडीयू तक का सेक्शन बचा है जिसको जून माह तक चालू कर दिया जाएगा इस सेक्शन के खुलने ट्रेनों की कनेक्टिविटी बिहार (सोननगर) से गुजरात के सानंद तक हो जायेगी।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
सरदार वल्लभ भाई पटेल

वंदे भारत रेलगाड़ी भारत की उमंग और तरंग का प्रतीक है, यह हमारे कौशल, आत्मविश्वास एवं क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है-पीएम मोदी

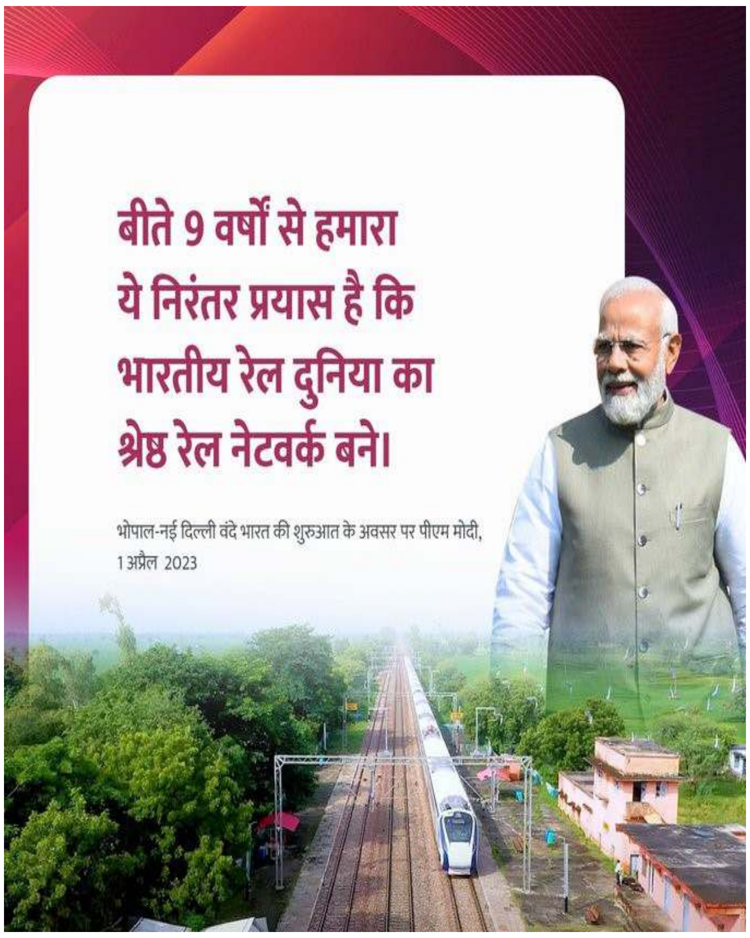

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश में भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल और नई दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिनांकः ०१.०४.२०२३ को प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ट्रेन हमारे कौशल, आत्मविश्वास एवं क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है। प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र में पर्यटन के लिए वंदे भारत रेलगाड़ी चलने के लाभों पर भी प्रकाश डाला क्योंकि इसके संचालन से सांची, भीमबेटका, भोजपुर और उदयगिरि गुफाओं में पर्यटन के लिए अधिक यात्री आने लगेंगे। इससे रोजगार, आय व स्वरोजगार के अवसरों में भी सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने २१वीं सदी में भारत की नई सोच और दृष्टिकोण पर जोर देते हुए नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने की कीमत पर पिछली सरकारों द्वारा किए गए दृष्टिकरण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वे वोट बैंक के पुष्टिकरण में जुटे हुए थे। हम देशवासियों के संतुष्टिकरण में समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे को सामान्य पारिवारिक परिवहन का साधन बताया और उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अपने हितों को पूरा करने के लिए इसे पहले उन्नत तथा आधुनिक नहीं बनाया गया। प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि अतीत की सरकारें पहले से मौजूद रेल नेटवर्क का बड़ी आसानी से आधुनिकीकरण कर सकती थीं, जिसे भारत ने अपनी स्वतंत्रता के बाद हासिल किया था लेकिन निहित राजनीतिक स्वार्थों के चलते रेलवे के विकास की बलि चढ़ा दी गई। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता के दशकों बाद भी पूर्वोत्तर राज्य रेल नेटवर्क से नहीं जुड़ पाए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने भारतीय रेलवे को दुनिया में सबसे अच्छा रेल नेटवर्क बनाने का प्रयास किया है। वर्ष २०१४ से पहले भारतीय रेलवे पर होने वाली नकारात्मक टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने देश के व्यापक रेल नेटवर्क में हजारों मानव रहित फाटकों के कारण होने वाली घातक दुर्घटनाओं के मुद्दे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्रॉडगेज रेल नेटवर्क आज मानव रहित गेट से मुक्त हो चुका है। मोदी ने यह भी कहा कि पहले के समय में ट्रेन दुर्घटनाओं से संबंधित जान-माल के नुकसान की खबरें आना आम बात थी, लेकिन आज के समय में भारतीय रेलवे पहले की अपेक्षा बहुत अधिक सुरक्षित हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा को और बढ़ावा देने के लिए मेड इन इंडिया 'कवच' के दायरे का विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा का दृष्टिकोण केवल दुर्घटनाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह भी है कि यात्रा के दौरान जब किसी भी आपात स्थिति में मदद पहुंचेगी तो महिलाओं के लिए अत्यधिक लाभकारी होगा। साफ-सफाई, समयबद्धता और टिकटों की कालाबाजारी सभी को प्रौद्योगिकी और यात्रियों के प्रति चिंता से ठीक किया गया है। मोदी ने कहा कि 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' पहल के माध्यम से स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए रेलवे एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभर रहा है। योजना के तहत यात्री स्टेशन पर ही जिले के स्थानीय उत्पाद जैसे हस्तशिल्प, कला, बर्तन, कपड़ा, पेंटिंग आदि खरीद सकते हैं। देश में लगभग ६०० आउटलेट पहले से ही चालू हैं और कम समय में इनसे एक लाख से ज्यादा यात्री खरीदारी कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारतीय रेल देश के आम परिवारों के लिए सुविधा का पर्याय बन रही है। उन्होंने इस संबंध में रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, ६००० स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा और ९०० स्टेशनों पर सीसीटीवी जैसे कदमों को गिनाया। उन्होंने युवाओं में वंदे भारत की लोकप्रियता और देश के कोने-कोने से वंदे भारत की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने इस साल के बजट में रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जब इच्छा होती है, इरादे स्पष्ट होते हैं और संकल्प दृढ़ होता है तो नए रास्ते निकलते हैं प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पिछले ९ वर्षों में रेल बजट में लगातार वृद्धि की गई है और मध्य प्रदेश को २०१४ से पहले के वर्षों के औसत ६०० करोड़ रुपये की तुलना में रेल संबंधी बजट में १३,००० करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। रेलवे के आधुनिकीकरण का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश के कुछ हिस्सों में हर दूसरे दिन १०० प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शत-प्रतिशत विद्युतीकरण करने वाले ११ राज्यों में मध्यप्रदेश भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि २०१४ के बाद प्रति वर्ष रेलवे मार्गों का औसत विद्युतीकरण ६०० किलोमीटर से दस गुना बढ़कर ६००० किलोमीटर हो गया है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, आज मध्यप्रदेश निरंतर विकास की नई गाथा लिख रहा है। चाहे कृषि हो या उद्योग, आज मध्य प्रदेश की ताकत भारत की ताकत का विस्तार कर रही है। उन्होंने दोहराया कि विकास के उन अधिकांश पैमानों पर मध्यप्रदेश का प्रदर्शन सराहनीय है, जिन पर कभी राज्य को 'बीमारू' कहा जाता था। प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए घर बनाने में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में होने का उदाहरण दिया। उन्होंने आगे कहा कि राज्य हर घर में पानी पहुंचाने में भी अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने राज्य के किसानों के बारे में बात करते हुए कहा कि वे गेहूं सहित कई फसलों के उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। उन्होंने राज्य में उद्योगों पर कहा कि यह लगातार नए मानकों की ओर बढ़ रहा है, जिससे युवाओं के लिए अनंत अवसर पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देश के अंदर और बाहर दोनों जगह उनकी छवि खराब करने के ठोस प्रयासों के बारे में लोगों को सचेत किया। उन्होंने कहा, भारत का गरीब, भारत का मध्यम वर्ग, भारत का आदिवासी, भारत का दलित-पिछड़ा, हर भारतीय मेरा सुरक्षा कवच बन गया है। उन्होंने लोगों से देश के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते हुए कहा, ष्हमें विकसित भारत में मध्यप्रदेश की भूमिका को और बढ़ाना है। यह नई वंदे भारत एक्सप्रेस इसी संकल्प का एक हिस्सा है।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

कोडरमा-झरही रेलखंड का सीआरएस ने किया निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्रः हाजीपुर। संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल सुवोमोय मित्र ने कोडरमा-तिलैया नई रेल लाइन परियोजना (६५ किमी) के अंतर्गत नवनिर्मित कोडरमा-झरही रेलखंड (१७ किमी) का निरीक्षण किया । निरीक्षण के उपरांत विशेष ट्रेन द्वारा सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल किया गया। विदित हो कि ६५ किमी लंबे कोडरमा-तिलैया नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत २४ किमी लंबे तिलैया से खरौंध तक निर्माण कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है तथा १७ किमी लंबे कोडरमा से झरही तक का निर्माण कार्य पूरा होने के पश्चात दिनांक २७.०३.२०२३ को सीआरएस निरीक्षण किया गया । शेष बचे झरही से खरौंध तक का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार मिजोरम के विकास और पूरे पूर्वोत्तर को संघर्ष-मुक्त, और शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रतिबद्ध-अमित शाह

पसूका/नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मिजोरम की राजधानी आइजोल में २४१५ करोड़ रुपये के कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थिति थे। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज मिजोरम के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि यहां असम राइफल्स की नई बटालियन मुख्यालय का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही राज्य के विकास के लिए मिजोरम सरकार को जमीन सौंपने के लिए गृह मंत्रालय, असम सरकार और मिजोरम सरकार के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से यहां विकास के नए रास्ते खुलेंगे। शाह ने कहा कि आज यहां लालडेंगा लम्मुअल सेंटर का शिलान्यास भी किया गया है जो इस क्षेत्र को एक बहुत अच्छे सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मिजोरम सरकार राज्य के लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में आज लगभग २५०० करोड़ रुपये की ११ विभिन्न योजनाओं के तहत लोकार्पण और शिलान्यास हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि मिजोरम के सर्वांगीण विकास के लिए करीब १२०० करोड़ रुपये की ४ नई सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इससे मिजोरम के उद्योग और व्यापार में काफी वृद्धि होगी और मिजोरम और म्यांमार के बीच व्यापार आसान होगा। उन्होंने कहा कि मिजोरम के गठन और राज्य का दर्जा प्राप्त करने के बाद से यह ३६वां वर्ष है और इस अवधि के दौरान मिजोरम ने काफी प्रगति की है। शाह ने कहा कि यहां कभी अशांति थी और गोलीबारी होती थी और आज जोरमथांगा मुख्यमंत्री हैं, यह भारत के लोकतंत्र की सफलता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा में लिप्त संगठनों से मुख्यधारा में शामिल होने, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने और भारत और पूर्वोत्तर के विकास में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज मिजोरम में स्थापित शांति भारत के लोकतंत्र की सफलता का एक अभूतपूर्व उदाहरण है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरा पूर्वोत्तर शांति, स्थिरता और विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक जमाने में पूर्वोत्तर में उग्रवादी गुटों द्वारा हिंसा फैलाई जाती थी, रेल, सड़क और हवाई संपर्क का अभाव था और विकास का नामोनिशान नहीं था। हालांकि, पिछले ६ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के प्रयासों और पूर्वोत्तर के लोगों के सहयोग से पूर्वोत्तर में शांति बनी हुई है, कनेक्टिविटी बढ़ी है और यहां भारत के अन्य हिस्सों के बराबर विकास हो रहा है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार पूरे पूर्वोत्तर को संघर्ष मुक्त, उग्रवाद मुक्त कर और शांतिपूर्ण बना रही है। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में २०१४ की तुलना में २०२१ में हिंसक घटनाओं में ६७ प्रतिशत की कमी, सुरक्षा बलों की मौत में ६० प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत में ८३ प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि २०१४ से अब तक उग्रवादी संगठनों के लगभग ८००० काडर आत्मसमर्पण कर समूचे पूर्वोत्तर में मुख्य धारा में शामिल हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने २०१६ में त्रिपुरा में एनएलएफटी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, २०२० में समझौते पर हस्ताक्षर करके त्रिपुरा में लगभग ३७,००० लोगों का पुनर्वास किया। सरकार ने असम में बोडो समझौते पर हस्ताक्षर करके शांति स्थापित की। २०२१ और ऊपरी असम में भी २०२२ में कार्बी-एंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर करके शांति स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। शाह ने कहा कि पिछले ६ वर्षों में अफ्सपा के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में लगभग ७० प्रतिशत की कमी आई है।

झांसी का विश्व स्तरीय स्टेशन, झांसी और आसपास के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक पर्यटन और वाणिज्य सुनिश्चित करेगा :प्रधानमंत्री

पसूका/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि झांसी का विश्व स्तरीय स्टेशन, झांसी के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक पर्यटन और वाणिज्य सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि यह पूरे भारत में आधुनिक स्टेशन बनाने के

प्रयासों का एक अभिन्न अंग है। झांसी से संसद सदस्य अनुराग शर्मा ने एक ट्वीट में बुंदेलखंड के लोगों के लिए झांसी में विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी धन्यवाद दिया। झांसी, उत्तर प्रदेश के संसद सदस्य के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, पूरे भारत में आधुनिक स्टेशन बनाने के हमारे प्रयासों का एक अभिन्न अंग, यह झांसी के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक पर्यटन और वाणिज्य सुनिश्चित करेगा।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:
१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/ अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

शुरू हुई वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन पर प्रीमियम पार्किंग व्यवस्था

रे.स.ब्यू./सूत्र:वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन पूर्व सरकुलेटिंग क्षेत्र में यात्रियों के चार पहिया वाहन पार्किंग हेतु प्रीमियम पार्किंग व्यवस्था लागू कर दी गयी है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी के दिशानिर्देशन में दिनांक: २७.०३.२३ से इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को छोड़ने आये चार पहिया वाहन को प्रीमियम पार्किंग लेन में ०१ घंटे तक खड़े रखने पर पार्किंग शुल्क रु.३०/- प्रति चार पहिया वाहन होगा, वाहन को ०१ घंटे से अधिक और दो घंटे से कम समय के लिए खड़े रखने पर पार्किंग शुल्क रु.५०/- प्रति चार पहिया वाहन होगा, वाहन को ०२ घंटे से अधिक और ०३ घंटे से कम समय के लिए खड़े रखने पर पार्किंग शुल्क रु.१००/- प्रति चार पहिया वाहन होगा तथा वाहन को ०३ घंटे से अधिक खड़े रखने पर प्रीमियम पार्किंग शुल्क प्रथम ०३ घंटे तक रु. १००/- प्रति घंटा तत्पश्चात प्रति घंटा रु.१००/- अदा करना होगा। इसके अतिरिक्त पूर्व सर्कुलेटिंग क्षेत्र में ड्राप एंड गो लेन भी उपलब्ध है, जिसका निशुल्क रूप से उपयोग कर यात्रियों को स्टेशन छोड़ने आये वाहन त्वरित रूप से ड्राप कर स्टेशन से निकल सकते हैं द्यउपरोक्त सुविधाओं के साथ ही स्टेशन पर संचालित दो पहिया और चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड पर भी पार्किंग हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है,जहाँ यात्रिगण अपने वाहन सुरक्षित रूप से जमा कराते हुए यात्रा कर सकते हैं ।

इरकॉन IRCON INTERNATIONAL LIMITED

An Integrated Engineering and Construction Company

With 398 projects in India and 128 projects across the globe in 25 countries, IRCON has proved its credentials in the field of infrastructure development.

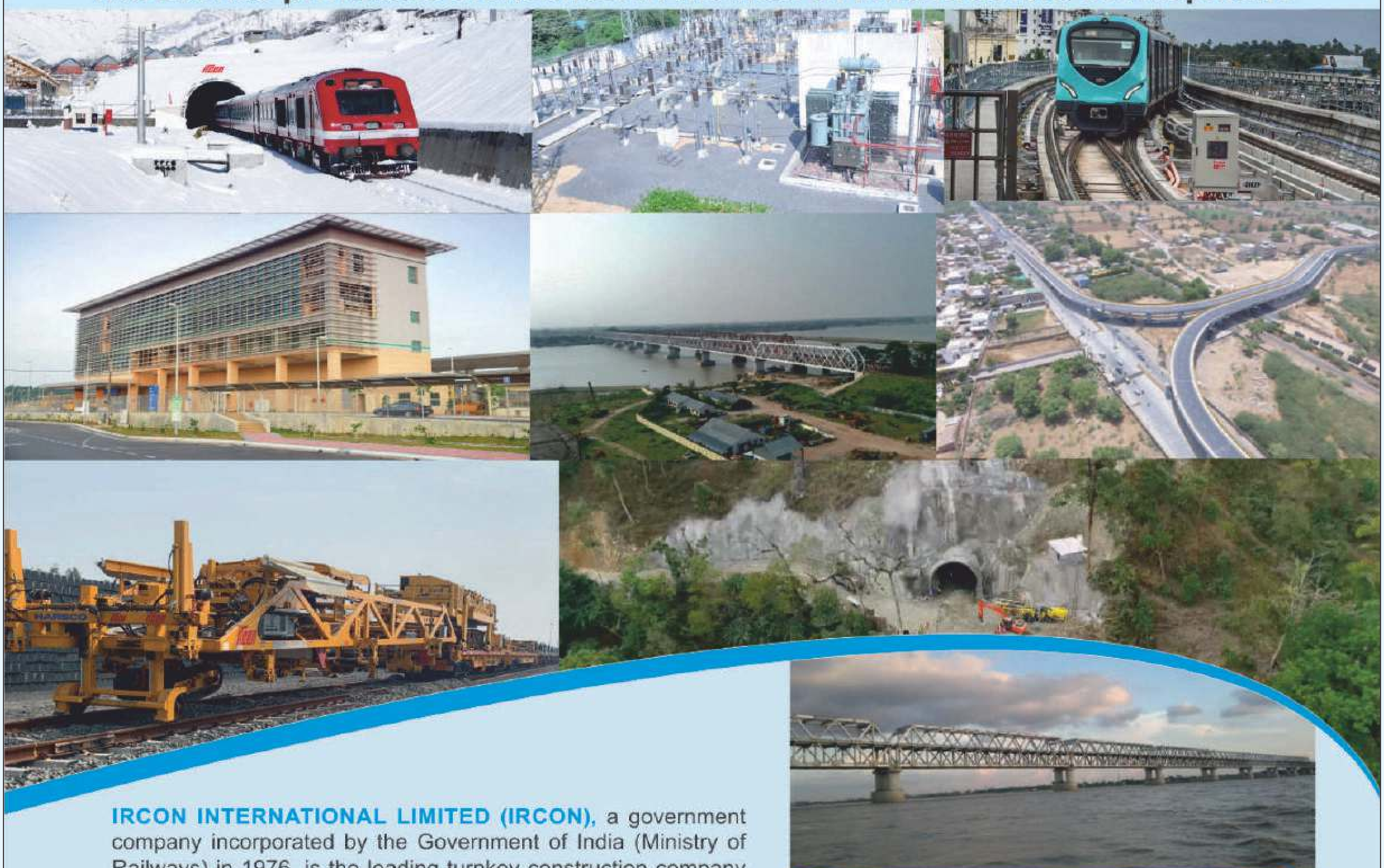

IRCON INTERNATIONAL LIMITED (IRCON), a government company incorporated by the Government of India (Ministry of Railways) in 1976, is the leading turnkey construction company known for its quality, commitment and consistency in terms of performance. The Company's expertise and professional approach to work not only widened its horizons of work, but also propelled it to traverse the physical boundaries of the country. IRCON is actively participating in the infrastructure building efforts of several Asian and African countries. In the year 2021-22, the Company has registered total income of ₹ 7181 Crore.

- Ranked in Top 250 International Contractors by Engineering News Record (USA). Also ranked amongst the Top 500 Indian Companies in Fortune India Magazine.
- Healthy profitability margins & comfortable liquidity position with its CARE Credit Rating of AAA/A1+ for long & short-term non-fund based borrowings. Continuously profit making company since its inception.
- Conferred with several awards in the year 2021-22, including National Awards for Excellence in PSU - Innovation Social Media Outreach, National Awards for Excellence in PSU - Increasing the Geo-Strategic Reach, Governance Now 8th PSU Award - CSR Commitment, Greentech Foundation Safety Award for Construction Safety and several others.

Core Competence Areas

- Railways
- Tunnels
- Bridges & Flyovers
- Highways & Expressways
- EHV sub-stations
- Electrical and Mechanical works
- Signaling & Telecom
- Development of industrial areas
- Commercial & Residential properties
- Metro Rail
- Runways
- Aircraft Maintenance hangars
- Wet Leasing of Locomotives

IRCON INTERNATIONAL LIMITED

(A Government of India Undertaking under Ministry of Railways)
Regd. Office: C-4, District Centre, Saket, New Delhi – 110017
Phone: +91 11 29565666 Fax: +91 11 26854000
www.ircon.org